भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बस्ती

"स्वतंत्रता दिवस"

मीडिया रिपोर्ट

दिनांक: 15 अगस्त, 2025

भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बस्ती में 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस वर्ष का विषय था *"हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान"*।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8:30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। निदेशक *प्रो. कुलदीप सहाय* ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, संविधान के महत्व और युवा पीढ़ी की जिम्मेदारियों पर जोर दिया। कार्यक्रम में छात्रों की भाषण और कविताएँ देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत थीं, जिसने वातावरण को उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक बना दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में *श्रीमती अनुपमा सिंह* (पूर्व छात्रा,1992 बैच, आई.ई.टी.लखनऊ) उपस्थित रहीं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मूल्यों और त्याग की भावना पर बल दिया और विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, नैतिकता और समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। उनके उत्साहवर्धक शब्दों ने कार्यक्रम में देशभक्ति का उत्साह और अधिक बढ़ा दिया।

इसके बाद श्री रनीतेश गुप्ता ने प्रेरणादायी भाषण दिया, जिनमें देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना प्रकट हुई और श्री राजकुमार सिंह ने परिचयात्मक उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं, जिनमें देशभक्ति कविताएँ और भाषण शामिल थे। पिछले वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को माननीय निदेशक द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

अंत में मुख्य अतिथि द्वारा वृक्षारोपण और मिठाई वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बस्ती का परिसर तिरंगे के रंग में सराबोर था और हर चेहरे पर स्वतंत्रता का गर्व झलक रहा था।

15/08/2025

15/08/2025

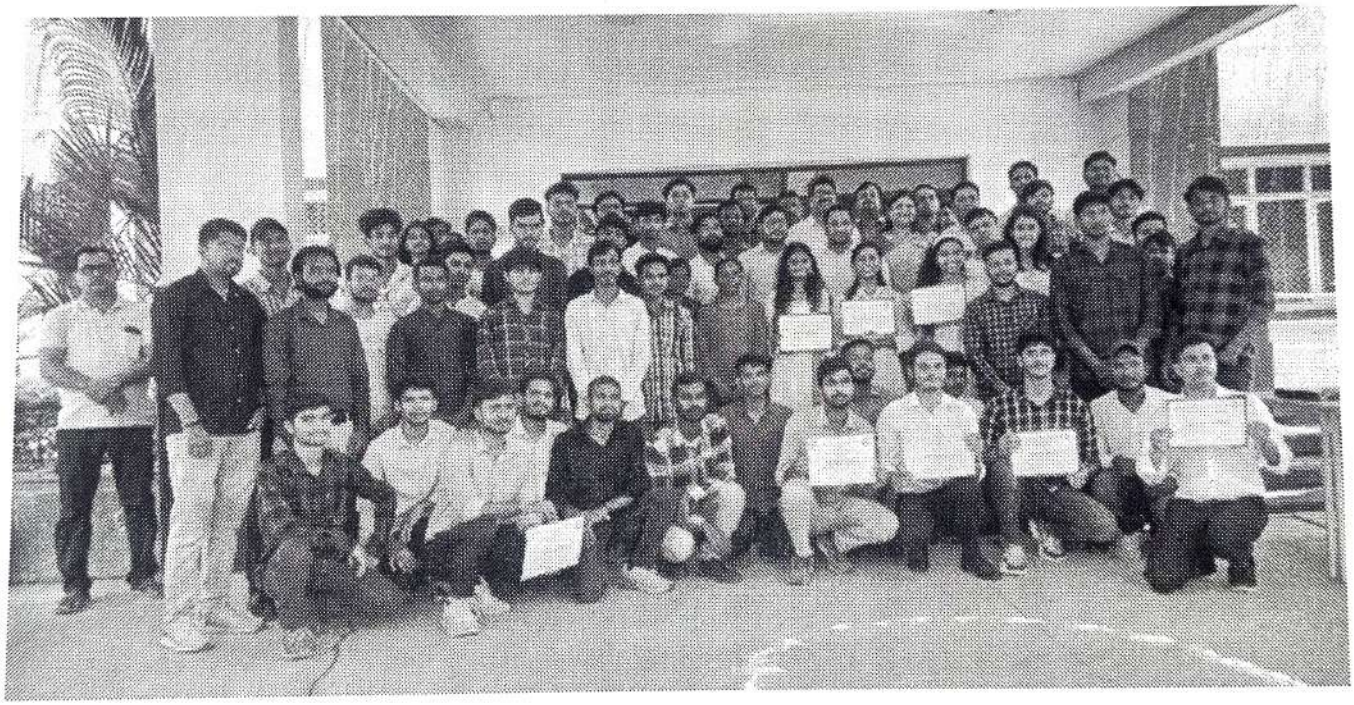

15/08/2025

15/08/2025

मुख्य अतिथि **श्री ओ. एन. सिंह** ने इन सुझावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि—

• बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दीर्घकालिक योजनाएँ बनाई जा रही हैं ताकि स्थायी समाधान मिल सके।

• प्राथमिक विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण और आकर्षक बनाने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है।

• आधुनिक तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु नए विषय और शाखाएँ जोड़ने की योजना बनाई जा रही है।

• स्ट्रीट लाइट, ट्रैफिक प्रबंधन, स्वच्छता और स्थानीय परिवहन जैसी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

• औद्योगिक विकास पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि **पूर्वांचल की भूमि अत्यधिक उपजाऊ (fertile) है, जिसके कारण उद्योगों के लिए आवश्यक बड़े भू-भाग की उपलब्धता चुनौतीपूर्ण है**। इसलिए इस क्षेत्र में योजनाएँ कृषि और तकनीकी नवाचारों के साथ संतुलन बनाकर आगे बढ़ाई जाएंगी।

उन्होंने अंत में कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के सुझाव ही प्रदेश और राष्ट्र की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। **मिशन 2047** के तहत उत्तर प्रदेश निश्चित ही **"समर्थ उत्तर प्रदेश – विकसित उत्तर प्रदेश"** के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

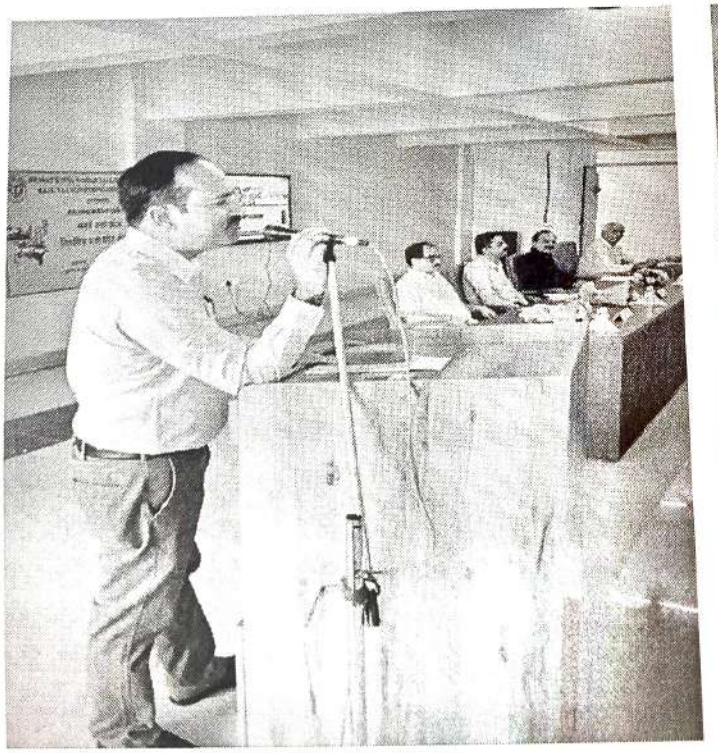

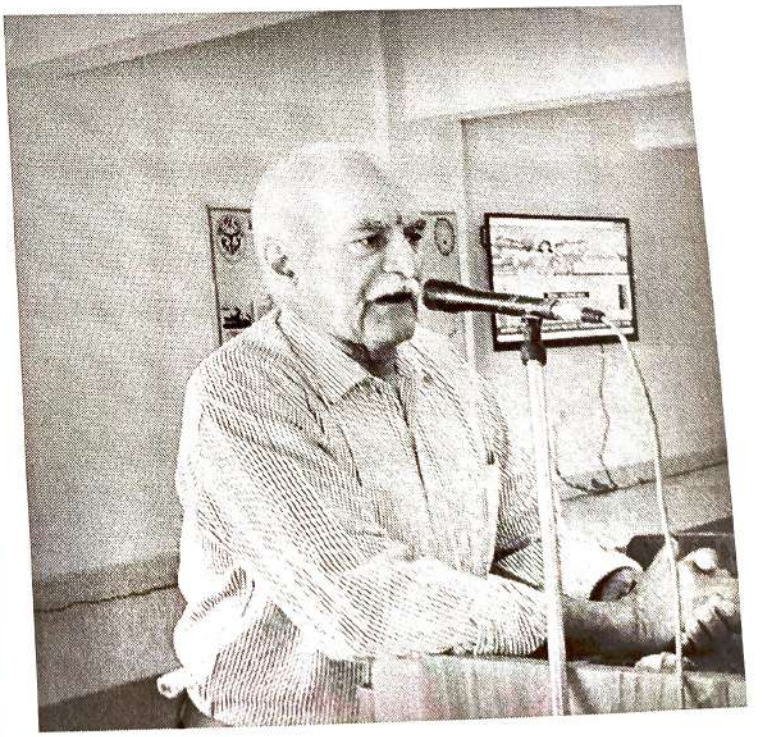

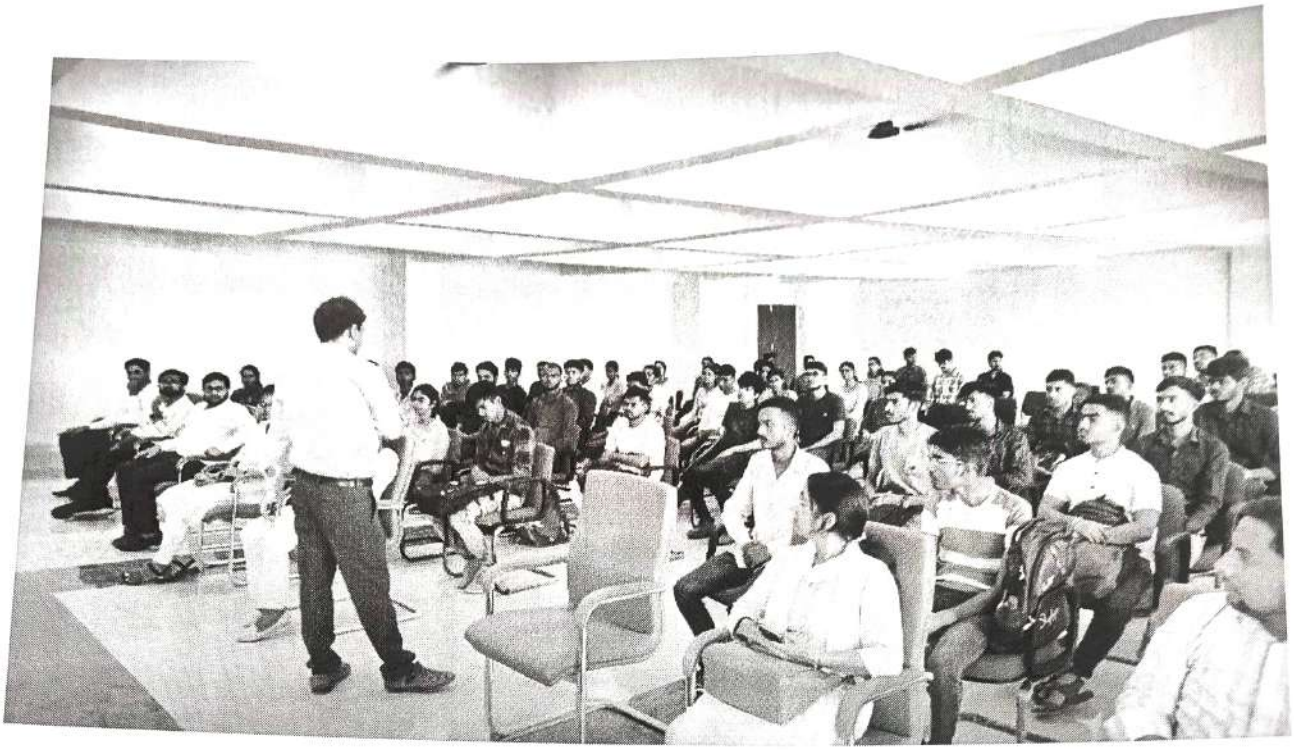

महाविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर कुलदीप सहाय ने सरकार के इस प्रयास को सराहते हुए कहा कि सरकार का ये प्रयास समाज के सभी वर्गों को मुख्यधारा में सम्मिलित कर देश और प्रदेश को विकसित और समृद्ध बनाने में काफी उपयोगी है। इससे प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित होती है। इस अवसर पर प्रोफेसर सहाय ने कहा कि ऐसे प्रयासों से छात्रों को प्रदेश और राष्ट्र के विकास के दृष्टिकोण से सोचने और अपने नवाचारों को समाजहित में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं, जो मिशन 2047 की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।